लाखों रुपये का अपव्यय

जिप जलापूर्ति विभाग कार्यकारी अभियंता का जलकिल्लत पर नियोजन शून्य

मेलघाट के 60 गांव प्यासे

संवाददाता /प्रतिदिन अखबार

धारणी, 22 फरवरी- शासन आदेशानुसार जिला परिषद प्रशासन को ग्रीष्मकाल की दाहकता को देखते हुए जलकिल्लत की समस्या पर उपाययोजना के लिए नियोजन एवं उपाययोजना करना अनिवार्य है. शासन की ओर से जिप को करोड़ों रुपये का निधि प्राप्त होता है, किंतु जिला परिषद के जलापूर्ति विभाग कार्यकारी अभियंता के नियोजन शून्यता के चलते वर्तमान में मेलघाट के 60 गांव अभी से ही प्यासे नजर आने लगे हैं. जिला परिषद प्रशासन ने अब तक जिलाधीश कार्यालय को जलकिल्लत से लड़ने का नियोजन नहीं भेजा है.

जिला परिषद प्रशासन हमेशा ही अपनी लेटलतीफी को लेकर चर्चा में रहा है. जिसके माध्यम से प्रशासन ने खूब सुर्खियां भी बटोरी हैं. कई बार जिला परिषद सदस्यों द्वारा प्रशासकीय अधिकारियों के कामकाज पद्धति की आलोचना कर उन पर उंगलियां तक उठायी है. लेकिन फिर भी अधिकारियों के कामकाज में कोई बदलाव देखने नहीं मिल रहा है. इसका नजारा इन दिनों जलकिल्लत की समस्या के नियोजन में देखा गया.

जिला परिषद को शासन द्वारा जलकिल्लत नियोजन हेतु करोड़ों रुपये का निधि प्राप्त हुआ. मेलघाट के दुर्गम इलाकों में जल भंडारण की

व्यवस्था नहीं है. ऐसे इलाकों में भारी बारिश के बावजूद जलसंकट दूर करने तथा गांवों को पीने का पानी उपलब्ध करवाने की सूचनाएं दी गई.

मेलघाट के चिखलदरा व धारणी तहसील के 50 से 60 गांव के नागरिकों को ग्रीष्म काल के शुरुआत से ही 2 से 4 किमी पैदल चलकर पानी लाना पड़ रहा है. इस बात की जानकारी होने के बाद भी अधिकारी केवल कागजातों पर ही घोड़े दौड़ा रही है. फिलहाल जिले में कहीं भी जलकिल्लत नहीं है, यह दावा जिप के जलापूर्ति विभाग द्वारा किया जा रहा है. विशेष यह कि कुछ दिन पूर्व ही मेलघाट वासियों ने प्रशासन को मेलघाट की जलकिल्लत समस्या से अवगत कराया था. उस समय पूर्व सभापति दयाराम काले की उपस्थिति रही.

उल्लेखनीय है कि जनवरी माह में जलकिल्लत का नियोजन होना अपेक्षित है. लेकिन फरवरी खत्म होने को है फिर भी जलापूर्ति विभाग का नियोजन नहीं हो पाया है. जलापूर्ति विभाग के कार्यकारी अभियंता संदीप देशमुख अपने वरिष्ठों की आंखों में धूल झोक रहे हैं. सीईओ अधिकारियों पर विश्वास कर उन्हें जिम्मेदारी सौंप रहे हैं. कामकाज को मंजूरी प्रदान कर रहे है. लेकिन विभाग प्रमुख व अन्य अधिकारी इसका फायदा उठाते दिखाई दे रहे हैं. जिसके चलते आनेवाले दिनों में मेलघाट समेत जिले के अन्य तहसील क्षेत्र के गांव भी जलकिल्लत की समस्या से जूझते हुए प्यासे रहने की संभावना को नकारा नहीं जा सकता.

दो साल से नहीं मिला अनुदान

विगत दो वर्ष से जिला परिषद को जलकिल्लत की समस्या को दूर करने शासन द्वारा निधि उपलब्ध नहीं करवाया गया है. जिला परिषद ने शासन को नियोजन की जानकारी देकर निधि की मांग की है. लेकिन अभी तक निधि अप्राप्त है. अनुदान राशि प्राप्त होते ही जलकिल्लत की समस्या दूर करने काम शुरु किया जायेगा.

- संदीप देशमुख
कार्यकारी अभियंता, जलापूति विभाग जि.प.

मेलघाट में 368 स्थानों पर शिक्षकों का तबादला

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 22 फरवरी- जिप के शिक्षकों की ताबदला प्रक्रिया में 5 चरणों में संवर्ग 1 से 4 और विस्थापित ऐसे 714 विस्थापित शिक्षकों की तबादला प्रक्रिया 2 माह में पूर्ण हुयी. आगामी अंतिम चरण में अब मेलघाट की 368 रिक्त स्थानों पर बदली प्रक्रिया का क्रियान्वयन जारी है. तबादला पात्र सेवा सीनियॉरिटी की सूची प्रकाशित होने के बाद प्रत्यक्ष तबादले की शुरूआत होने वाली है.

5 चरणों में पूर्ण हुई 714 ट्रांसफर प्रक्रिया

राज्य में लगातार 2 वर्षों के बाद शिक्षकों की जिला अंतर्गत तबादला प्रक्रिया की इस वर्ष शुरूआत हुयी. पहले चरण में संवर्ग 1 और 2 के शिक्षकों की तबादला प्रक्रिया पूर्ण हुयी. उसके बाद संवर्ग 3 और 4 की तबादला प्रक्रिया पूर्ण हो गयी. इनमें से जो शिक्षक विस्थापित हुये उनकी तबादला प्रक्रिया भी हाल ही में हो चुकी है. इन 6 चरणों में जिले के 714 शिक्षकों की बदलियां की गयी. दिसंबर से यह प्रक्रिया शुरू की गयी थी. इस प्रक्रिया में अंतिम चरण में अब दुर्गम क्षेत्रों की रिक्त जगहों पर समतल के शिक्षकों की बदलियां की जानेवाली हैं. ऐसी 368 जगह दुर्गम क्षेत्र में रिक्त रहने से समतल पर 10 वर्ष पूर्ण और एक ही स्थान पर 5 वर्ष पूर्ण सेवाएं देनेवाले शिक्षक दुर्गम क्षेत्र के लिए पात्र साबित होनेवाले हैं.

मदर्स पेट इंग्लिश स्कूल में शिवाजी जयंती भव्य तरीके से मनाई

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 22 फरवरी- कार्यक्रम की शुरूआत मूर्ति पूजा व दीप प्रज्वलन से हुई. कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की निदेशक श्रीमती स्वाती राठी एवं विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती सरिता ढोले ने की. कक्षा सातवीं के गिरिक नंदवानी और कक्षा आठवीं की हृदया ढोले ने शिवाजी महाराज और जीजा माता की भूमिका निभाई और पात्रों को बहुत ही सुंदर तरीके से चित्रित किया, जिसने वातावरण को जीवंत कर दिया. मंच पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करने के बाद, मैडम दीप्ति गाडवे ने तबले पर अद्वैय वादुरकर के साथ रिद्धि मांडवगले के साथ एक गीत में शिवाजी महाराज की महिमा प्रस्तुत की. कक्षा नौवीं की श्रावणी काले और कक्षा पांचवीं के महावीर मुराई ने शिवाजी महाराज पर भाषण प्रस्तुत किया. कक्षा 5 से आठवीं तक के छात्रों ने शिवाजी महाराज के जन्म से लेकर राज्याभिषेक समारोह तक के जीवन, इतिहास और विभिन्न महत्वपूर्ण घटनाओं विशेष रूप से अफजल खान के साथ मुलाकात और हिंदवी स्वराज की सीमाओं को बढ़ाते हुए नृत्य नाटिका पर प्रदर्शन किया. नृत्य नाटिका की कोरियोग्राफी सुवर्णा मैडम और सविता मैडम ने की.

शिवाजी महाराज के जयकारे के साथ शिव जयंती मनाई गई. मुद्रा वचन के साथ शिव गर्जना भावेश सर द्वारा की गई और मावलों के रूप में तैयार छात्रों ने शिवाजी युग का माहौल बनाया.

कार्यक्रम की अध्यक्षा श्रीमती स्वाती राठी ने अपने उद्बोधन में शिवाजी जयंती के अवसर पर छात्रों का मार्गदर्शन किया और कहा कि शायद हम शिवाजी महाराज के गौरव की ऊंचाई को छू नहीं सकते लेकिन अगर हम उनके जीवन और संकल्प से प्रेरणा लेते हैं उनके कुछ सिद्धांतों को जीने से हमारा जीवन महान बन जाएगा.

फोटो -जय स्टूडियो

200 बेड का जिला स्त्री अस्पताल (डफरीन) की नवनिर्मित सुसज्जित इमारत

अमरावती : 200 बेड का जिला स्त्री अस्पताल (डफरीन) की नवनिर्मित सुसज्जित इमारत के तल मंजिले में आयसीयू, ऑपरेशन थिएटर, कीचन रूम, औषषि भांडार, पंजीयन कक्ष व अन्य.
पहली मंजिल - ओपीडी, रेडिओलॉजी विभाग, हिरकणी कक्ष, ऑपरेशन कक्ष
दूसरी मंजिल - रक्तपेढ़ी, परिवार नियोजन विभाग, अतिदक्षता विभाग.
तीसरी मंजिल - स्त्री व पुरुष डॉक्टर के निवास, होमियोपैथिक, योग, फिजियोथेरेपी कक्ष, वीडियो कान्फ्रेंसिंग, सेमिनार हॉल, व्याख्यान हॉल, मीटिंग हॉल के साथ ही सभी सुख-सुविधा भी एक ही इमारत में उपलब्ध हो सकेगी.

इंडूरास स्केटिंग चैम्पिनशिप में चांदूर के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

चांदूर बाजार, 22 फरवरी- अभी हाल ही में खोपोली में संपन्न नेशनल ओपन इंडूरास स्केटिंग चैम्पियनशिप स्पर्धा में चांदूर बाजार के यशश्री स्केटिंग क्लब के विद्यार्थियों ने सबसे अधिक मेडल हासिल करके चांदूर बाजार तहसील का नाम रोशन किया.

इस स्पर्धा में निर्मिती पब्लिक स्कूल चांदूर बाजार के विद्यार्थी कर्तव्य सचिन किटुबले, शिवगौरी तायडे, जनक चौधरी, जगदंबा पब्लिक स्कूल चांदूर बा. के विद्यार्थी देवश्री योगेश अर्डक, स्वराज धांडे व ऑरेंज लाईन पब्लिक स्कूल, चांदूर बा. के विद्यार्थी मेघांश अंबुलकर ने प्रथम क्रमांक हासिल किया. इन सभी विजयी विद्यार्थियों का इंटरनेशनल थाइलैंड चैम्पियनशिप के लिए चयन हुआ है.

विजयी विद्यार्थियों का इंटरनेशनल थायलैंड चैम्पियनशिप के लिए चयन

ये सभी विद्यार्थी भिन्न-भिन्न उम्र गुट के हैं तथा उन्होंने भिन्न-भिन्न उम्र गुट के लिए इस स्पर्धा में भाग लिया था. सभी विद्यार्थियों ने अपनी विजय का श्रेय गुरु सचिन किटुकले, भाग्यश्री किटुकले और अपने पालकों को दिया है. इन सभी विद्यार्थियों पर शहर के नागरिकों की ओर से अभिनंदन किया जा रहा है.

अभ्यासा इंग्लिश स्कूल में मनाई शिवजयंती

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 22 फरवरी- सोमवार, 20 फरवरी को अभ्यासा इंग्लिश स्कूल में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाई गई. कार्यक्रम में बतौर प्रमुख वक्ता अक्षय चंदेल उपस्थित थे. कार्यक्रम के प्रारंभ में शिवाजी महाराज की प्रतिमा का पूजन किया गया. पश्चात अक्षय चंदेल ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया. उन्होने शिवाजी महाराज के जीवन कार्यों पर प्रकाश डाला. उसी प्रकार शाला की मुख्याध्यापिका कांचनमाला पाटिल ने जयंती कार्यक्रम शाला में आयोजित करने के बदले शिक्षकों की सराहना की. संचालन कक्षा 9वीं की छात्रा अनुष्का रेले ने किया. कार्यक्रम के सफलतार्थ शिक्षक तथा शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने अथक प्रयास किए.

लॉन टेनिस स्पर्धा में बच्चों ने बढ़-चढ़कर लिया सहभाग

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 22 फरवरी- लॉन टेनिस को प्रोत्साहित करने के लिए प्रयास किया जाएगा. इसके साथ ही अच्छे खिलाड़ी तैयार करने के लिए कोच की नियुक्ति सहित अन्य कदम उठाने का भरोसा गजेंद्र देशमुख ने दिलाया.

वे रिफॉर्म्स क्लब द्वारा रविवार को लॉन टेनिस मैचों का आयोजन किया गया.इसमें यवतमाल, अमरावती, अकोला, वाशिम, बुलढाणा के खिलाड़ियों ने भाग लिया. यह महाराष्ट्र राज्य लॉन टेनिस संघ और अमरावती जिला अमरावती जिले के सहयोग से ली गई. टूर्नामेंट

रिफार्म्स क्लब का आयोजन

के उद्घाटन समारोह में गजेंद्र देशमुख, सचिव देवेश अग्रवाल, क्लब स्पोर्ट्स डायरेक्टर राजेश अटलानी अध्यक्ष के रूप में और महाराष्ट्र स्टेट लॉन टेनिस एसो. के समन्वयक शिवबाबू मोरे सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे. स्पर्धा में 14 वर्ष से कम बालक व बालिका तथा 17 वर्ष से कम बालक व बालिका वर्ग में प्रतियोगिता आयोजित की गई. अगली पीढ़ी को लॉन टेनिस को बढ़ावा देने के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जाएंगे. नए कोच की नियुक्ति सहित अन्य कदम उठाए जाएंगे. स्पर्धा की सफलता के लिए डॉ. प्रफुल्ल कडू, डॉ. रविंद्र कासट, डॉ. उमेश देशमुख, डॉ. विजय बख्तार, डॉ. प्रकाश कोठारी, डॉ. सुभाष पाटणकर, नामदेव भारानी, राजेश राघाणी, राहुल शर्मा, अनिल गंगवानी, मयूर झंवर, संजय चांदवानी, दीपक सोमय्या ने प्रयास किया.

शिवाजी के शिवोत्सव में युवाओं का उल्लास

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 22 फरवरी- श्री शिवाजी साइंस कॉलेज, अमरावती में 15 से 19 फरवरी बीच वार्षिक स्नेहसमेलन संपन्न हुआ. स्नेह समेलन का उद्घाटन, गुणगौरव व सम्मान समारोह 17 फरवरी को सुबह 10 बजे संपन्न हुआ. श्री शिवाजी शिक्षण संस्था के उपाध्यक्ष केशवराव मेतकर की अध्यक्षता में और सचिव डॉ. वी.जी. ठाकरे की उपस्थिति में और प्रसिद्ध अभिनेता, गायक, निर्देशक और समुपदेशक डॉ. चंद्रकांत शिंदे के हाथों शिवोत्सव का उद्घाटन हुआ.

छात्र प्रतिनिधि मयूरेश वानखड़े ने रिपोर्ट पढ़कर कॉलेज के छात्रोन्मुख कार्यों का ग्राफ प्रस्तुत किया. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जी.व्ही. कोरपे ने स्वागत पर भाषण मे कॉलेज की प्रगति की समीक्षा की.उद्घाटन पर भाषण में डॉ. चंद्रकांत शिंदे ने सुझाव दिया कि अकादमिक उत्कृष्टता के साथ-साथ अपनी प्रतिभा का विकास भी छात्रों को एक महान व्यक्तित्व विकसित करने में मदद करता है.

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए केशवराव मेटकर ने कई उदाहरण दिए और विदर्भ की कसदर भूमि की ताकत के बारे में बताया. इस कार्यक्रम में मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया और राष्ट्रीय, राज्य और विश्वविद्यालय स्तर पर विशेष उपलब्धि हासिल करने वाले छात्रों और शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर शिव परिवार से जुड़े दानदाताओं द्वारा स्थापित विभिन्न पुरस्कारों का वितरण किया गया.

इस शैक्षणिक सत्र के लिए छात्रसंघ के सदस्य, खेल स्वयंसेवकों के अथक प्रयास से अनेक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन कर 'क्रीड़ा महोत्सव' मनाया गया.

छात्रों, शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने विभिन्न खेल खेले और विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया. प्राचार्य डॉ. जी.व्ही. कोरपे, आयक्यूएसी समन्वयक डॉ. डब्ल्यू एस बरडे के मार्गदर्शन से फिएष्टा-शिवोत्सव के समन्वयक डॉ. दिनेश खेडकर के साथ डॉ. निलेश ठाकरे, डॉ. सुगंध बंड, डॉ. रेखा मग्गीरवार, डॉ. नितीन बनसोड, डॉ. दिपाली राठोड़, डॉ. राधिका देशमुख, डॉ. रेवती खोकले, डॉ. रुपाली इंगोले, डॉ. मनीष गायकवाड़, डॉ. योगिता ठाकरे, डॉ. प्रशांत देशमुख सहित सभी समितियों के समन्वयक व सदस्यों ने प्रमुख भूमिका निभाई. तकनीकी रूप से इस महोत्सव को सफल बनाने के लिए प्रो. योगेश हुशारे, प्रो. अविनाश दारसिम्बे और छात्र तन्मय चव्हाण ने अथक परिश्रम किया. छात्र संघ के सदस्यों, खेल स्वयंसेवकों के साथ ही छात्र सेना कैडेट्स ने अनुशासन की जिम्मेदारी निभाई.

वार्षिक पुरस्कारों और पुरस्कारों की झड़ी, श्री शिवाजी साइंस कॉलेज का वार्षिकोत्सव संपन्न

4-5 मार्च को खाटू श्याम रवाना होगा भक्तों का जत्था

मनीष गुप्ता/प्रतिदिन अखबार

परतवाड़ा, 22 फरवरी - देशभर से हर साल लगभग 30 लाख से अधिक भक्तों का हुजूम खाटू धाम पहुंचता है. जयपुर से 80 किमी की लंबी पदयात्रा कर श्यामजी का विशाल ध्वज लेकर भक्तगण चलते हैं. कोरोना महामारी के कारण बाबा श्याम का मेला तीन सालों से बंद था. लेकिन इस बार श्याम भक्तों का तांता लगेगा, ऐसे आसार हैं. इस मेले के लिए हर साल जुड़वां शहर अचलपुर-परतवाड़ा के साथ-साथ अमरावती, अकोला, वासिम, यवतमाल, नागपुर से भी सैकड़ों श्रद्धालु 4 और 5 मार्च की सुबह जयपुर पहुचेंगे और वहां से खाटू की ओर रवाना होंगे.

रवि नोवाल ने दी जानकारी

श्यामभक्त रवि नोवाल ने बताया कि, श्याम भक्त का जत्था रातभर ट्रेन में भजन गाकर बाबा का दरबार सजाकर राजस्थान पहुंचेगा. रिंगस में परसराम पुरिया की धर्मशाला में भोजन कर श्रद्धालुओं द्वारा निशान की विधिवत पूजा-अर्चना की जायेगी. और फिर ढोल-नगाड़ों के साथ बाबा की जयकार लगाते हुए खाटू की ओर रवाना होंगे. इस जत्थे में श्याम कृपा मंडल, श्याम मित्र परिवार के अलावा एक जत्था श्याम दिवाना परिवार का भी होता है. जिसमें मोहन वर्मा, राम शर्मा, रवि केडिया, सुशील जनबंधु, शर्मा, अर्पित परमार, पीयूष पुरोहित, शुभम बड़े पुरोहित, सचिन चांगल, अंकुश पुरोहित, राजेश शर्मा, कुशल कोठारी, रवि नोवाल आदि भक्त श्याम रंग में रंगते खाटू धाम पहुंचेंगे.